Part A Introduction				
Program: Degree		Class : B.COM	Year: III	Session: 2023-24
Subject:		COMMERCE		
1	Course Code	C3 - COM C 2T		
2	Course Title	Public Finance		
3	Course Type	Elective For Own Faulty		
4	Pre-requisite (if any)	No		
5	Course Learning outcomes (CLO)	**On successful completion of this course, the students will be able to:** 1. Demonstrate a good understanding of the fiscal framework for taxing and spending and of fiscal policy principles 2. Analyse critically tax reforms and policy choices in developed and developing countries 3. Research, and examine key issues and challenges in fiscal policy in a particular development or country context. 4. Present in depth written analysis of key issues and challenges in fiscal policy in a particular development or country context. 5. To know the application of public economics in analysing various energy policies; 6. To comprehend various types of public goods and its real world application;		
6	Credit Value	6		
7	Total Marks	Max. Marks: 30 + 70		Min. Passing Marks: 35

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures- 90

Unit	Topics	No. of Lectures
1.	**Public Finance-** Historical background, Meaning, Nature, Scope and Importance. Role of Public Finance in Economic Development. Difference between Private and Public Finance, Public goods and Private goods. Principles of maximum social advantage, Market failure and role of Government.	15
2.	**Public Revenue-** Main sources of revenue, Meaning and types of Taxes, Loans, Grant and Aid. Characteristics of Indian Tax structure, Tax reforms in India. Canons of Taxation, Problem of Justice in Taxation, Incidence of Taxation, Taxable Capacity.	15
3.	**Public Expenditure-** Meaning and Classification of Public Expenditure. Effects of Public Expenditure on production, Employment, Distribution and Economic Growth. Role of Public Expenditure in Developing Economy. Theories of Public Expenditure.	15
4.	**Public Budget** - Kinds of Public Budget, Economic and Functional Classification of the Budget, Budget as an instrument of economic policy. Need, Sources and repayment of Public Debt. Effects of Public debt on money supply, Economic growth and Economic Stability.	15
5.	**Public Finance system in India-** Major Financial issues in a Federal setup. Principles of efficient division of financial resources between Central and States, Major Problem of Financial imbalances and measures for adjustments. Local bodies and their financial responsibilities Sources of local Finance.	15

6.	**Monetary policy**- Meaning,objectives and importance.Pre and Post liberalisation monetary policies of India. Fiscal Policy- meaning, objectives and components. Drawbacks of the fiscal policy in India. Measures for removing drawbacks of fiscal policy.	15

Keywords/Tags:- Public Finance, Public Revenue, Public Expenditure, Public Budget, Monetary policy

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

s.n.	Author	Book title	publisher	city
1.	H.L Bhatia	Public Finance	Vikas Publication	New Delhi
2	Amar Ghosh Chandana Ghosh	Public Finance	Prentice Hall India learning Private Ltd	New Delhi
3	Dr. D. Bose	An Introduction to Public Finance	S. Chand Publication	New Delhi
4	R.K Lekhi	Public Finance	Kalyani Publishers	New Delhi
5	के एल गुप्ता	राजस्व	साहित्य पब्लिकेशन	आगरा
6	एच एल भाटिया.	लोक वित्त	विकास पब्लिकेशन हाउस	नई दिल्ली
7	आर के लेखी.	लोक वित्त	कल्याणी पब्लिशर्स	नई दिल्ली
8	डा सत्यपाल सिंह .	लोक वित्त और रोजगार सिद्धांत	किताब महल	नई दिल्ली

Suggested equivalent online courses:

1.http://www.rjspm.com/PDF/Public-Finance-Notes-PDF.pdf

2. http://www.jiwaji.edu/pdf/ecourse/commerce/UNIT-1%20PUBLIC%20FINANCE.pdf

3. https://old.mu.ac.in/wp-content/uploads/2021/11/Economics-Paper-IV-Public-Finance-English-Version.pdf.

4.https://ebooks.lpude.in/arts/ma_economics/year_1/DECO404_PUBLIC_FINANCE_ENGLISH.pdf

5. https://www.eshiksha.mp.gov.in

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 Marks University Exam (UE): 70 Marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	**Section(A)** : Very Short Questions **Section (B) :** Short Questions **Section (C) :** Long Questions	70

Any remarks/ suggestions

(Dr. PAVAN MISHRA)

PROF.PAVAN MISHRA)
Chairman
Central Board of Studies (Commerce)
Department of Higher Education Govt. of M.P.

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम: उपाधि		कक्षा : बी.कॉम	वर्ष: तृतीय	सत्र: 2023-24
विषय:		वाणिज्य		
1	पाठ्यक्रम का कोड	C3-COMC2T		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	लोक –वित्त		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	माइनर		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	नहीं		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे: 1. कर और खर्च के लिए राजकोषीय ढांचे और राजकोषीय नीति सिद्धांतों की अच्छी समझ प्रदर्शित करना। 2. विकसित और विकासशील देशों में गंभीर कर सुधारों और नीति विकल्पों का विश्लेषण करना। 3. किसी विशेष विकास या देश के संदर्भ में राजकोषीय नीति में प्रमुख मुद्दों और चुनौतियों का अनुसंधान और परीक्षण करना। 4. किसी विशेष विकास या देश के संदर्भ में राजकोषीय नीति में प्रमुख मुद्दों और चुनौतियों का गहन लिखित विश्लेषण प्रस्तुत करना। 5. विभिन्न ऊर्जा नीतियों के विश्लेषण में लोक अर्थशास्त्र के अनुप्रयोग को जानना; 6. विभिन्न प्रकार की सार्वजनिक वस्तुओं और इसके वास्तविक विश्व अनुप्रयोग को समझना;		
6	क्रेडिट मान	6		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- 90

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	**सार्वजनिक वित्त** –ऐतिहासिक पृष्टभूमि ,अर्थ प्रकृति क्षेत्र एवम् महत्व,सार्वजानिक वित्त की आर्थिक विकास में भूमिका,निजी एवम् सार्वजानिक वित्त में अंतर ,निजी एवम सार्वजानिक वस्तुएं ,अधिकतम सामाजिक लाभदायकता का सिद्धांत ,बाजार विफलता एवम् शासन की भूमिका|	15
2	**सार्वजानिक राजस्व** - राजस्व के मुख्य स्त्रोत,कर,ऋण,अनुदान,एवम् सहायता का अर्थ एवम् प्रकार,भारतीय कर ढाँचे की विशेषताएँ,भारत में करसुधार,कराधान के सिद्धांत ,कराधान में न्याय की घटना, करदेय क्षमता, कराधान का प्रभाव एवम कर चोरी|	15
3	**सार्वजनिक व्यय** –सार्वजानिक व्यय का अर्थ एवम् वर्गीकरण,सार्वजानिक व्यय काउत्पादन, बेरोजगारी,वितरण एवम् आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव,विकासशील अर्थव्यवस्था में सार्वजानिक व्यय की भूमिका, सार्वजानिक के सिद्धांत|	15
4	**सार्वजानिक बजट** -सार्वजानिक बजट के प्रकार, बजट का आर्थिक एवम् क्रियात्मक वर्गीकरण, आर्थिक नीति के प्रमुख उपकरण के रूप मेंबजट,सार्वजानिक ऋण की आवश्यकता, सार्वजानिक ऋण के स्त्रोत एवम् ऋणों का भुगतान, मुद्रा पूर्ति, आर्थिक वृद्धि एवम् आर्थिक स्थिरता में लोक ऋण का प्रभाव|	15
5	**भारत में लोक वित्त पद्धति** –संघीय ढाँचे में मुख्य वित्तीय मुद्दे, केंद्र एवम् राज्य के मध्य वित्तीय स्त्रोतों के प्रवाभी वर्गीकरण के सिद्धांत. वित्तीय असंतुलन की मुख्य समस्यायें एवम् इनके समायोजन के उपाय ,स्थानीय निकाय एवम् उनके वित्तीय दायित्व, स्थानीय वित्त के स्त्रोत|	15
6	**मौद्रिक नीति** –अर्थ, उद्देश्य एवम् महत्व, भारत में उदारीकरण के पूर्व एवम् पश्चात् की मौद्रिक नीतियाँ ; राजकोषीय नीति- अर्थ, उद्देश्य एवम् अवयव, भारत की राजकोषीय नीति की कमियाँ ,राजकोषीय नीतियों की कमियाँ दूर करने के उपाय|	15

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:- सार्वजनिक वित्त, सार्वजनिक राजस्व, सार्वजनिक व्यय, सार्वजनिक बजट, मौद्रिक नीति

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

s.n.	Author	Book title	publisher	city
1.	के एल गुप्ता	राजस्व	साहित्य पब्लिकेशन	आगरा
2.	एच एल भाटिया.	लोक वित्त	विकास पब्लिकेशन हाउस	नई दिल्ली
3.	आर के लेखी.	लोक वित्त	कल्याणी पब्लिशर्स	नई दिल्ली
4.	डा सत्यपाल सिंह .	लोक वित्त और रोजगार सिद्धांत	किताब महल	नई दिल्ली
5.	H.L Bhatia	Public Finance	Vikas Publication	New Delhi
6.	Amar Ghosh Chandana Ghosh	Public Finance	Prentice Hall India learning Private Ltd	New Delhi
7.	Dr. D. Bose	An Introduction to Public Finance	S. Chand Publication	New Delhi

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:-

1. **https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAEC-602.pdf**
2. **http://ebooks.lpude.in/arts/ma_economics/year_1/DECO404_PUBLIC_FINANCE_HINDI.pdf**
3. **https://hi.wikipedia.org/wiki/लोक_वित्त**
4. **https://www.indiabudget.gov.in/**
5. **https://www.eshiksha.mp.gov.in**

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70

कोई टिप्पणी/सुझाव:

नोट: कृपया यदि कोई ट्यूटोरियल से संबंधित जानकारी हो तो इसी प्रारूप में समाविष्ट करें।

(Dr. PAVAN MISHRA)

(PROF.PAVAN MISHRA)
Chairman
Central Board of Studies (Commerce)
Department of Higher Education Govt. of M.P.